विचार बिन्दु

मानव नक़ल करने वाला प्राणी है और जो सबसे आगे रहता है वो नेतृत्व करता है। -शिलर

भारत : ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन की चुनौती और गहरी

ऑपरेशन सिंदूर, जिसे भारत ने मई 2025 में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए शुरू किया था, ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया, बल्कि क्षेत्रीय भू-राजनीति में चीन की भूमिका को भी अधिक गहराई से उजागर कर दिया। यह ऑपरेशन, जिसे भारत ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया, एक सैन्य कार्रवाई से कहीं अधिक था। यह भारत की बदलती रणनीति, क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को मजबूत करने की कोशिश का प्रतीक था। लेकिन इस ऑपरेशन के बाद जो परिदृश्य उभरा, उसने भारत के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दीं, खास तौर पर चीन के बढ़ते प्रभाव और उसकी रणनीतिक चालों के कारण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान परोक्ष रूप से चीनी सामान के बहिष्कार का आव्हान किया, जिसने भारत-चीन संबंधों को और जटिल बना दिया।

ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत 7 मई 2025 को हुई, जब भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। इस कार्रवाई ने न केवल पाकिस्तान की सैन्य और आतंकी ढांचे को गहरी चोट पहुंचाई, बल्कि चीन के लिए भी एक अप्रत्यक्ष चुनौती बन गई। ऑपरेशन के दौरान पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीनी हथियार, जैसे कि जे-10सी फाइटर जेट्स, एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, और पीएल-15 मिसाइलें, भारतीय हमलों के सामने नाकाम साबित हुए। इसने न केवल पाकिस्तान की सैन्य क्षमता पर सवाल उठाए, बल्कि चीन के हथियारों की विश्वसनीयता को भी वैश्विक मंच पर कठघरे में खड़ा कर दिया। विशेषज्ञों ने इसे चीन के लिए एक बड़ा झटका माना, क्योंकि 2020 से 2024 तक पाकिस्तान को चीन से 81% हथियारों की आपूर्ति हुई थी, और ऑपरेशन सिंदूर ने इन हथियारों की कमजोरियों को उजागर कर दिया। चीनी रक्षा कंपनियों, जैसे कि चेंगदू एयरक्राफ्ट, के शेयरों में 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो इस बात का संकेत था कि वैश्विक रक्षा बाजार में चीन की साख को गहरा नुकसान पहुंचा है। इस सैन्य असफलता ने चीन को रणनीतिक रूप से और सक्रिय होने के लिए प्रेरित किया।

21 मई 2025 को बीजिंग में हुई एक त्रिपक्षीय बैठक में चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तार देने पर सहमति जताई। यह कदम भारत के लिए एक नई सामरिक चुनौती के रूप में उभरा। सीपीईसी का विस्तार न केवल पाकिस्तान को आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत करने की कोशिश है, बल्कि यह भारत को दक्षिण एशिया में घेरने की चीन की रणनीति का हिस्सा भी है। इस बैठक में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी, और तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी शामिल थे। यह स्पष्ट संकेत था कि चीन न केवल पाकिस्तान को बल्कि तालिबान शासित अफगानिस्तान को भी अपने प्रभाव क्षेत्र में लाने की कोशिश कर रहा है। चीन की यह रणनीति भारत के लिए कई मोर्चों पर खतरा पैदा करती है। सबसे पहले, चीन ने पाकिस्तान को उन्नत हथियारों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति बढ़ा दी है।

सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने चीन और तुर्क से हथियारों की एक नई खेप की सूची तैयार की है, जिसमें ग्राउंड-बेस्ड लॉन्चर, 30 विंग लूंग ड्रोन, और सर्विलांस सिस्टम शामिल हैं। ये ड्रोन, जिन्हें 'चाइनीज किलर ड्रोन' के नाम से जाना जाता है, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में तैनात किए जाने की योजना है। इसके अलावा, पाकिस्तान अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने में भी तेजी ला रहा है, जिसमें चीन का प्रत्यक्ष और परोक्ष समर्थन शामिल है। अमेरिकी डिफेंस इंटेलिजेंस एजेंसी (डीआईए) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान अपने परमाणु हथियारों और कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम को सुरक्षित रखने के साथ-साथ सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) के लिए सामान विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, मुख्य रूप से चीन, से खरीद रहा है। यह सामान हांगकांग, सिंगापुर, तुर्क़ और यूएई के रास्ते पाकिस्तान पहुंचाया जा रहा है। चीन की सहायता केवल हथियारों तक सीमित नहीं है। वह पाकिस्तान को आर्थिक और जल संसाधनों के क्षेत्र में भी समर्थन दे रहा है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के उल्लंघन की धमकी दी थी, जिसके तहत भारत पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति कम कर सकता है। जवाब में, चीन ने सतलज नदी की धारा को मोड़कर पाकिस्तान को जल संसाधनों की कमी से बचाने की कोशिश शुरू कर दी है, इतना ही नहीं चीन ने सीधे-सीधे भारत को ब्रह्म पुत्र नदी हेतु चीन से मिलने वाले पानी के विषय में भी चेतावनी दे दी है। अर्थात यदि भारत सिंधु नदी का पानी पाकिस्तान के लिए रोकेगा तो भारत आगामी खतरे के लिए तैयार रहे। यह कदम न केवल भारत की रणनीति को चुनौती देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि चीन क्षेत्रीय जल संकट को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहा है।

सतलज नदी का पानी तिब्बत से निकलता है, और चीन ने बिना कोई आधिकारिक बयान दिए इस नदी के प्रवाह को नियंत्रित करने की दिशा में कदम उठाए हैं। यह भारत के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि जल संसाधन दक्षिण एशिया में रणनीतिक और आर्थिक स्थिरता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चीन की ये चालें केवल पाकिस्तान तक सीमित नहीं हैं। वह भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। अमेरिकी डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अब चीन को अपना प्राथमिक सामरिक प्रतिद्वंद्वी मानता है, जबकि पाकिस्तान को एक ऐसी समस्या के रूप में देखता है जिसे प्रबंधित किया जा सकता है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच तनाव बना हुआ है। हालांकि अक्टूबर 2024 में दोनों देशों ने दो विवादित क्षेत्रों से सैनिकों को पीछे हटाने पर सहमति जताई, लेकिन सीमा विवाद अब भी अनसुलझा है। चीन ने लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाई है और बुनियादी ढांचे का विकास तेज कर दिया है। इसके अलावा, नेपाल, भूटान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में चीन की आर्थिक और सैन्य साझेदारी भारत के लिए एक रणनीतिक घेराबंदी का हिस्सा है।

चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा।

बांग्लादेश द्वारा हाल ही में चीनी कंपनी से जमीन से हवा में मार करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें खरीदने की खबरें भी भारत के लिए चिंता का विषय हैं। इन सबके बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चीनी सामान के बहिष्कार का परोक्ष आव्हान भारत की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को और जटिल करता है। हाल के दिनों में, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर, कई पोस्ट्स में दावा किया गया कि मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि "विदेशी और चाइनीज चीजों का बहिष्कार हो, देश के व्यापारी विदेशी सामान नहीं बेचेंगे, देश के नागरिक विदेशी सामान नहीं खरीदेंगे।" यह आव्हान ऑपरेशन सिंदूर को जनबल से जीतने की भावना से जोड़ा गया है। हालांकि, यह नीति भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाती। भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 99 बिलियन डॉलर से अधिक है, और कई महत्वपूर्ण क्षेत्र जैसे कि रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, और इलेक्ट्रॉनिक्स चीनी आयात पर निर्भर हैं। 2024 में भारत-चीन व्यापार 118 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो अमेरिका के साथ भारत के 140 बिलियन डॉलर के व्यापार के करीब है।

चीनी झालर, होली के रंग, या मूर्तियों जैसे छोटे सामानों का बहिष्कार प्रतीकात्मक हो सकता है, लेकिन यह भारत की आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता को कम करने में ज्यादा प्रभावी नहीं होगा। इसके अलावा, चीनी सामान के बहिष्कार का आ ान भारत की घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता को उजागर करता है। भारत ने हाल के वर्षों में 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने की कोशिश की है, लेकिन प्रगति धीमी रही है। रसायनों, इलेक्ट्रॉनिक्स और भारी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में भारत अभी भी आयात पर निर्भर है। अगर भारत को चीन पर अपनी निर्भरता कम करनी है, तो उसे दीर्घकालिक निवेश, अनुसंधान और विकास, और तकनीकी नवाचार में तेजी लानी होगी। लेकिन यह प्रक्रिया समय लेने वाली है, और तत्काल बहिष्कार का आव्हान अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। उदाहरण के लिए, फार्मास्यूटिकल उद्योग में कच्चे माल का 60-70% हिस्सा चीन से आता है, और इसका विकल्प तुरंत खोजना असंभव है।

चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता के बीच भारत की स्थिति को लाचारी के रूप में देखा जा सकता है। चीनी सामान के बहिष्कार और लगातार चीन से बढ़ता आयात वैसा ही किस्सा है जैसे एकतरफ सरकार गुटखा तम्बाकू शराब पर जीएसटी लगाकर कमाई कर रही है दूसरी तरफ इनपर रोक के लिए विज्ञापन चलाती है। ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य ताकत और दृढ़ संकल्प को तो प्रदर्शित किया, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि चीन के साथ प्रत्यक्ष टकराव के लिए भारत को अभी और तैयारी की जरूरत है। सतलज नदी के प्रवाह को मोड़ने जैसे कदमों पर भारत का मौन रहना इस बात का संकेत है कि वह अभी पूरी तरह से चीन की चुनौतियों का जवाब देने की स्थिति में नहीं है। इसके अलावा, पाकिस्तान को परमाणु हथियारों और उन्नत तकनीक की आपूर्ति में चीन की भूमिका भारत के लिए एक दीर्घकालिक खतरा है। अगर पाकिस्तान अपनी परमाणु क्षमता को और बढ़ाता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक संतुलन को और जटिल कर देगा।इसके बावजूद, भारत ने कुछ क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत की है। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित किया कि भारत अब परमाणु ब्लैकमेल को सहन नहीं करेगा।

12 मई 2025 को अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि "सीमा पार आतंकवाद को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा, और पानी व खून एक साथ नहीं बह सकते।" यह बयान भारत की नई 'मोदी नीति' का हिस्सा है, जो आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और रणनीतिक जवाबी कार्रवाइयों पर जोर देती है। भारत ने अपनी सैन्य आधुनिकीकरण को भी तेज किया है, जिसमें अग्नि-आई प्राइम और अग्नि-वी मिसाइलों का परीक्षण और दूसरी परमाणु-संचालित पनडुब्बी को चालू करना शामिल है। इसके अलावा, भारत हिंद महासागर और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए अन्य देशों के साथ सैन्य और कूटनीतिक सहयोग बढ़ा रहा है। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद, चीन की रणनीतिक घेराबंदी और पाकिस्तान को उसका समर्थन भारत के लिए एक जटिल चुनौती बना हुआ है। चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच स्थायी युद्धविराम की वकालत की है, लेकिन उसका रुख स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के पक्ष में झुका हुआ है। बीजिंग ने बार-बार भारत के हमलों की खबरों को दबाने की कोशिश की, जबकि पाकिस्तानी दावों को बढ़ावा दिया। यह कूटनीतिक दोहरापन भारत के लिए एक और चुनौती है, क्योंकि चीन एक ओर शांति की बात करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक समर्थन देता है।

भारत की नीतिगत लाचारी का एक और पहलू यह है कि वह चीन के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को पूरी तरह से तोड़ नहीं सकता। रूस के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध और आर्थिक हित इसे चीन के खिलाफ एकतरफा रुख अपनाने से रोकते हैं। डीआईए की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत 2025 में भी रूस के साथ अपने संबंधों को बनाए रखेगा, क्योंकि यह अपने रक्षा और आर्थिक उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण मानता है। यह स्थिति भारत को एक जटिल भू-राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के लिए मजबूर करती है, जहां उसे एक ओर चीन का मुकाबला करना है, तो दूसरी ओर रूस जैसे सहयोगियों के साथ संबंध बनाए रखना है। अंत में, ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सैन्य और कूटनीतिक ताकत को तो प्रदर्शित किया, लेकिन इसने चीन की रणनीतिक चालों और भारत की आर्थिक निर्भरता को भी उजागर कर दिया। चीनी सामान के बहिष्कार का आव्हान, हालांकि जनता में जोश भरने वाला हो सकता है, लेकिन यह भारत की आर्थिक वास्तविकताओं के साथ तालमेल नहीं बिठाता। चीन की सैन्य, आर्थिक और जल संसाधनों की रणनीति भारत के लिए दीर्घकालिक चुनौतियां पेश करती है। अगर भारत को इन चुनौतियों का सामना करना है, तो उसे अपनी घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाना होगा, सैन्य आधुनिकीकरण को और तेज करना होगा, और क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ अपनी स्थिति को और मजबूत करना होगा। लेकिन यह सब एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है, और तब तक भारत को चीन की चालों और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच एक नाजुक संतुलन बनाए रखना होगा। ऑपरेशन सिंदूर ने एक नई शुरुआत की है, लेकिन यह शुरुआत भारत के लिए अवसरों के साथ-साथ नई चुनौतियां भी लाई है।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षा विद और चिन्तक

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून के लिए विशेष

वागड़ के नए भगीरथ बने के. के. गुप्ता

के.के. गुप्ता

डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के.के. गुप्ता ने जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिससे दक्षिणी राजस्थान का वागड क्षेत्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बेजोड मॉडल बन कर उभरा है। उनके प्रयासों ने न केवल स्थानीय जल संकट कम हुआ है, बल्कि अन्य राज्य के नगर निकाय भी इससे प्रेरित हुए है। उनके नवाचार और समुदाय आधारित दृष्टिकोण ने जल संकट से जूझ रहे क्षेत्रों को एक नई दिशा दी है। उनके इन प्रयासों की न केवल स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रशंसा की है वरन् इसके लिए उन्हें वॉटर हीरो सहित अन्य कई राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय अवार्ड भी मिले है।

हाल ही के.के. गुप्ता की पहल पर डूंगरपुर जिला प्रशासन ने 100 तालाबों को गहरा कराने तथा उनकी साफ सफाई एवं सौन्दर्यकरण के काम हाथ में लिए गए है। भीषण गर्मी और मिट्टी भराव के कारण डूंगरपुर जिले में कई तालाब सूखने की कगार पर पहुँच गए थे, जिससे जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। इस समस्या के समाधान के लिए, जिला कलेक्टर ने तालाबों की गहराई बढाने और जल संचयन की क्षमता को सुधारने के लिए गंभीर प्रयास किए हैं। गुप्ता के इन प्रयासों के लिए स्थानीय नागरिक उन्हें वागड के नए भगीरथ की उपमा देने लगे है।

के.के. गुप्ता ने अपने नगर परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में वर्षा जल संचयन में नवाचार कर कम लागत वाला रेनवाटर हार्वेस्टिंग मॉडल तैयार करने में सफलता हासिल की। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर में एक अभिनव वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की गई, जिसमें छतों से एकत्रित वर्षा जल को सीधे घरों के मौजूदा बोरवेल में भेजा गया। इस प्रणाली में पाइप के भीतर ही रेत फिल्टर और बैकवॉश की सुविधा शामिल की गई, जिससे जल शुद्धिकरण सुनिश्चित हुआ। डूंगरपुर के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए, अन्य राज्य सरकारों ने भी इसे अपने प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया। गुप्ता ने वर्षा जल संचयन, पुराने तालाबों और जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, और जल संरक्षण के लिए विभिन्न पहलें शुरू कीं।

इसी प्रकार उनके गंभीर प्रयासों से डूंगरपुर नगर के पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कर तालाबों और बावडियों का जीर्णोद्धार कराया गया। गुप्ता ने डूंगरपुर में पुराने तालाबों, बावडियों और जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया, जिससे वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में वृद्धि संभव हुई। स्थानीय ग्राम सभाओं और समुदायों के साथ मिलकर, गुप्ता ने सामुदायिक तालाबों का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित किया, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट को कम किया जा सका।

उन्होंने ई-कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण, और कचरा प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान चला कर पर्यावरण संरक्षण में अभूतपूर्व योगदान किया।

के.के. गुप्ता ने जल संरक्षण के लिए नीतिगत पहल करते हुए बोरवेल के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य किया। गुप्ता ने प्रस्तावित किया कि जिन घरों में बोरवेल हैं, वहां वर्षा जल संचयन प्रणाली अनिवार्य होनी चाहिए, ताकि भूजल स्तर बनाए रखा जा सके। जल की बर्बादी रोकने के लिए, उन्होंने जल मीटर की अनिवार्यता और जल अपव्यय पर सख्त निगरानी की वकालत की। गुप्ता के इन सराहनीय प्रयासों से उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले है। गुप्ता को नीदरलैंड सरकार और फिनिश संस्था द्वारा 2019 में, ठोस कचरा प्रबंधन और स्वच्छता कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही डूंगरपुर को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा एशिया और अफ्रीका के 16 शहरों में से एक के रूप में चुना गया, जहाँ स्वच्छता और कचरा प्रबंधन तकनीकों का मूल्यांकन किया गया। उनके प्रयासों को भारत सरकार और राजस्थान सरकार द्वारा भी सराहा गया है तथा उन्हें राजस्थान की दो राज्य सरकारो द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी नियुक्त किया गया। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय की समिति में भी सदस्य बनाया। इसके अलावा गुप्ता को स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के लिए राजस्थान का राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया है। उन्हें मेरा युवा भारत पहल और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत स्वच्छता के लिए मानद संसाधन व्यक्ति के रूप में भी नियुक्त किया गया।

के.के. गुप्ता ने ऐतिहासिक नगर डूंगरपुर को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्थापित किया है। उनके नेतृत्व और नवाचारों ने इस छोटे से शहर को कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ दिलाई हैं। के.के. गुप्ता ने डूंगरपुर नगर को स्वच्छता में अग्रणी बनाना जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय मन्त्रियों के हाथों उन्हें पुरस्कार सम्मान मिले। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर नगर परिषद ने तीन बार ओडीएफ प्लस और तीन बार ओडीएफ डबल प्लस का दर्जा प्राप्त किया। शहर को थ्री स्टार गार्बेज-फ्री सिटी का खिताब भी मिला, जो राजस्थान में किसी भी निकाय के लिए एक बडी उपलब्धि रही। गुप्ता ने डूंगरपुर में घर-घर कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण, और बायोगैस संयंत्र जैसे नवाचारों की शुरुआत की। उन्होंने नागरिकों को स्वच्छता आंदोलन से जोड़ने के लिए प्रोत्साहन योजनाएँ शुरू कीं, जैसे कि गंदी नालियों की तस्वीर भेजने पर इनाम देना आदि सफल प्रयोग भी किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत डूंगरपुर की एक जनजातीय परिवार की कहानी का उल्लेख किया, जिन्होंने शौचालय निर्माण के लिए अपनी बकरियाँ बेचीं, इसे स्वच्छता के प्रति समर्पण की अनूठी मिसाल बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा अन्य विशिष्ट लोगों द्वारा भी सार्वजनिक रूप से उनकी प्रशंसा की गई। के.के. गुप्ता के समर्पण और नवाचार डूंगरपुर को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद उदाहरण बनाया हैं। उनके प्रयासों ने न केवल डूंगरपुर देश विदेश में एक मॉडल शहर बन कर उभरा है, बल्कि अन्य शहरों के लिए भी पथ प्रदर्शक साबित हुआ है। के.के. गुप्ता डूंगरपुर, राजस्थान के एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, व्यवसायी और राजनेता हैं। उनका जन्म 19 फरवरी 1962 को न्यायविद् स्व. मातादीन और संतोष देवी के घर हुआ था। कॉमर्स में स्नातक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्होंने व्यापार में कदम रखा और बाद में कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। वे के.के. गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी, गुप्ता फीलिंग स्टेशन, गुप्ता क्रेशर कंपनी और उदयपुर में शहनाई वाटिका के मालिक हैं। के.के. गुप्ता का विवाह 27 नवंबर 1985 को सुशीला गुप्ता से हुआ। उनके दो पुत्र, अंकुर और अंकित, उनके व्यवसाय को संभाल रहे हैं। सुशीला गुप्ता भी सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और कंपनी की निदेशक हैं।

गुप्ता पिछले तीन दशकों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने 2005 में डूंगरपुर नगर पालिका पार्षद के रूप में अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की और उपाध्यक्ष पद पर भी कार्य किया। 2010 में वे पुनः पार्षद चुने गए और उनके नेतृत्व में 9 निर्दलीय पार्षदों ने जीत हासिल की। वे डूंगरपुर जिले के सबसे बडे व्यापारी संगठन चैंबर ऑफ कॉमर्स के लगातार आठ बार अध्यक्ष चुने गए हैं। गुप्ता स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राजस्थान प्रदेश समन्वयक ही नहीं बल्कि और उन्हें माननीय न्यायालयों द्वारा झुंझनु बांसवाडा, उदयपुर आदि जिलों के स्वच्छ न्याय मित्र के रूप में भी नियुक्त किया गया है। के.के. गुप्ता का जीवन सामाजिक सेवा, व्यापारिक नेतृत्व और राजनीतिक सक्रियता का उत्कृष्ट उदाहरण है। उनकी प्रतिबद्धता और योगदान ने डूंगरपुर को स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

-के.के. गुप्ता,
डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष

जल संरक्षण में उपयोगी साबित हो रहा फार्म पौंड एवं डिग्गी का उपयोग

भजनलाल सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी से कृषक लाभान्वित हो रहे हैं

नेमीचंद

जल के बिना किसी भी प्रकार के जीवन और वनस्पति की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वर्तमान समय में जल की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है।

अल्पवृष्टि और अनियमित मानसून के कारण किसानों को सिंचाई के लिए जल की भारी कमी का सामना करना पड़ता रहा है। इस स्थिति में जल संरक्षण आवश्यक हो गया है। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भजनलाल सरकार द्वारा 5 जून से 20 जून तक 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' चलाया जा रहा है।

सिंचाई की आवश्यकता को पूरा करने में फार्म पॉन्ड और डिग्गी उपयोगी सिद्ध हो रहे :- फार्म पॉण्ड एक कृत्रिम जलाशय है जिसे खेतों में वर्षा जल को एकत्र करने के लिए बनाया जाता है। यह एक गड्ढे के रूप में बनाया जाता है जिसे पॉलीथिन से लाइन किया जाता है ताकि जल का रिसाव न हो।

इसके पानी का उपयोग सिंचाई, पशुओं के लिए पानी, मछली पालन आदि के लिए किया जाता है। फार्म पौंड में वर्षा के जल को इकट्ठा कर जल की बर्बादी को रोका जाता है और सूखे के समय इसमें सिंचाई के लिए जल उपलब्ध रहता है। फार्म पौंड मछली पालन द्वारा अतिरिक्त आय का स्त्रोत भी बनता जा रहा है।

नहरी क्षेत्रों में पानी को इकट्ठा करने के लिए डिग्गी का उपयोग किया जाता है। जिसका निर्माण सीमेंट और ईंटों से किया जाता है। यह एक प्रकार की खुली टंकी होती है, जिसमें नहर या पाइप से जल लाकर एकत्र किया जाता है। राजस्थान जैसे सूखे या कम वर्षा वाले क्षेत्रों में फार्म पौंड और डिग्गी से सिंचाई बहुत महत्वपूर्ण साधन है। इसके माध्यम से वर्षा जल को संग्रहित किया जा सकता है।

फार्म पौंड और डिग्गी जैसे जल संरक्षण उपाय आज की आवश्यकता है। यदि इन तकनीकों को व्यापक रूप से अपनाया जाए तो जल संकट की समस्या से काफी हद तक छुटकारा पाया जा सकता है। वर्तमान समय में राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी का फायदा ले कर किसान इनका निर्माण तीव्रता से कर रहे हैं। हमें जल की महत्ता को समझते हुए हर संभव प्रयास करना चाहिए ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रह सके।

नेमीचंद,
सहायक जनसंपर्क अधिकारी, सूचना एंव जनसंपर्क निदेशालय

अजमेर में बरसात होने से तापमान में गिरावट आई

गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी व बारिश की संभावना

अजमेर, (कासं)। पिछले तीन दिन से प्रदेश के तेज हवाओं के साथ बरसात का दौर बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार सुबह 11 बजे करीब आधे घंटे तक हुई तेज बरसात से तापमान में गिरावट दर्ज हुई तो वहीं मौसम खुशनुमा हो गया। तेज बरसात से सड़कों पर पानी बह निकला। मार्टिंडल ब्रिज के पास सड़क पर पानी भर जाने से नाले का लेवल पता नहीं चलने पर बाइक सवार पिता-पुत्र बाइक सहित नाले में गिर पड़े। गनीमत यह रही कि मौके मौजूद दुकानदारों व स्थानीय लोगों ने दोनों को बचा लिया अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में एक्टिव हुए सिस्टम के कारण गुरुवार व शुक्रवार को भी दोपहर बाद आंधी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। तापमान में आंशिक गिरावट हो सकती है। दोपहर में उमस का दौर जारी रहेगा। गत चार दिनों से तापमान में गिरावट जारी है। 1 जून को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया था, जबकि 2 जून को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री और न्यूनतम 23.3 डिग्री रहा। 3 जून को अधिकतम 30.7 डिग्री और न्यूनतम 20 डिग्री रिकॉर्ड रहा, तीन दिन दोपहर पारे में 6.3 डिग्री और रात के तापमान 5.6 डिग्री गिरावट दर्ज की गई। बुधवार को भी दोपहर दो बजे तापमान 33 डिग्री दर्ज किया गया। अगले दिनों में हवाओं के साथ बरसात का दौरा रहेगा। बुधवार को सुबह दस बजे करीब आसमान में काले बादल छाए और करीब 11 बजे तेज हवाओं के साथ आधे घंटे जमकर बरसात हुई। बरसात के कारण सड़कों पर पानी भर गया और ऐसे में कई जगह सड़कें व नालों का पानी बराबर हो गया। राहगीरों व वाहन चालकों को वाहन चलाने में परेशानी हुई।

इंटर्न डॉक्टर्स को नहीं मिला वेतन

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान के सभी मेडिकल कॉलेज ने राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय को पत्र लिखकर वेतन बढ़ाने और वेतन को मासिक रूप से देने की मांग की। वर्तमान में राजस्थान के इंटर्न डॉक्टर का वेतन 21 हजार है जो कि भारत के अन्य राज्य पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक एवं दिल्ली आदि से कम है। संपूर्ण राजस्थान इंटर्न डॉक्टर के अध्यक्ष डॉ. रजनीश जिन्जा ने बताया कि सरकार ने पिछले 5 वर्ष में फीस में 10 गुना से अधिक वृद्धि की है, लेकिन उसके अनुपात में इंटर्न डॉक्टर के वेतन नहीं बढ़ाया है। पाली में भी करीब 150 इंटर्न डॉक्टर्स को पिछले करीब 3 महीने से वेतन नहीं दिया गया है। ऐसे में उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

राशिफल गुरूवार 5 जून, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, हस्त नक्षत्र शुक्रवार प्रातः 6:34 तक, सिद्धि योग प्रातः 9:13 तक, तैतिल करण दिन 1:05 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। आज गंगा दशमी, गंगा दशहरा व्रत समाप्त होंगे। आज बटुक भैरव जयन्ती, श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस, यात्रा, पूजन है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:18 तक, चर 10:43 से 12:25 तक, लाभ अमृत 12:25 से 3:49 तक, शुभ 5:36 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:36, सूर्यास्त 7:14

मेष

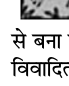

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

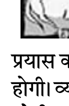

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह

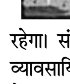

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

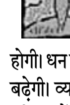

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु

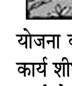

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मकर

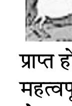

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक विवादों से बचना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मीन

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।